

Cambridge IGCSE[™]

| CANDIDATE NAME | | | | | |
|-------------------|--|--|---------------------|--|--|
| CENTRE NUMBER | | | CANDIDATE NUMBER | | |



ISLAMIYAT 0493/12

Paper 1 October/November 2021

1 hour 30 minutes

You must answer on the question paper.

No additional materials are needed.

INSTRUCTIONS

Answer four questions in total:

Answer Question 1.

Answer Question 2.

Answer two other questions.

- Use a black or dark blue pen.
- Write your name, centre number and candidate number in the boxes at the top of the page.
- Write your answer to each question in the space provided.
- Do not use an erasable pen or correction fluid.
- Do not write on any bar codes.

INFORMATION

- The total mark for this paper is 50.
- The number of marks for each question or part question is shown in brackets [].

This document has 20 pages. Any blank pages are indicated.

You must answer Question 1, Question 2 and two other questions.

- 1 Choose any **two** of the following passages from the Qur'an, and:
 - (a) briefly describe the main theme(s) in each passage

[4]

(b) briefly explain the importance of these themes in a Muslim's life today.

[4]

اللّهُ لاَ إِلْـهَ اِلاَّ هُوَ الْحَيُّ الْقَيُّومُ لاَ تَأْخُدُهُ سِنَةٌ وَلاَ نَوْمٌ لَهُ مَا فِي السَّمَاوَاتِ وَمَا فِي الأَرْضِ مَن ذَا الَّذِي يَشْفَعُ عِنْدَهُ اِلاَّ بِهَا شَاء وَسِعَ كُرْسِيُّهُ السَّمَاوَاتِ وَالأَرْضَ وَلاَ يُحِيطُونَ بِشَيْءٍ مِّنْ عِلْمِهِ اِلاَّ بِمَا شَاء وَسِعَ كُرْسِيُّهُ السَّمَاوَاتِ وَالأَرْضَ وَلاَ يَوْدُهُ حِقْطُهُمَا وَهُوَ الْعَلِيمُ الْعَظِيمُ

(i) Sura 2.255

Allah. There is no god but He, the living, the self-subsisting, eternal. No slumber can seize Him nor sleep. His are all things in the heavens and on earth. Who is there can intercede in His presence except as He permits? He knows what is before or after or behind them. Nor shall they compass any of His knowledge except as He wills. His Throne extends over the heavens and the earth, and He feels no fatigue in guarding and preserving them for He is the Most High, the Supreme.

إِذَا زُلْزِلْتِ الْأَرْضُ زِلْزَالْهَا
وَأَخْرَجَتِ الْأَرْضُ أَثْقَالَهَا
وَقَالَ الْإِنسَانُ مَا لَهَا
يَوْمَئِذٍ ثُحَدِّثُ أَخْبَارَهَا
بِأَنَّ رَبَّكَ أُوْحَى لَهَا
بِئَنَّ رَبَّكَ أُوْحَى لَهَا
يَوْمَئِذٍ يَصِدُرُ الدَّاسُ أَشْتَاتًا لَيُرَوْا أَعْمَالَهُمْ
فَمَن يَعْمَلْ مِثْقَالَ دَرَّةٍ خَيْرًا يَرَهُ
وَمَن يَعْمَلْ مِثْقَالَ دَرَّةٍ شَرَّا يَرَهُ

(ii) Sura 99

1. When the earth is shaken to her utmost convulsion, 2. And the earth throws up her burdens, 3. And man cries out: 'What is the matter with her?', 4. On that day will she declare her tidings: 5. For that your Lord will have given her inspiration. 6. On that day will men proceed in companies sorted out, to be shown their deeds. 7. Then shall anyone who has done an atom's weight of good see it! 8. And anyone who has done an atom's weight of evil shall see it.

وَاللَّيْلُ إِذَا سَجَى
وَاللَّيْلُ إِذَا سَجَى
مَا وَدَّعَكَ رَبُّكَ وَمَا قُلَى
مَا وَدَّعَكَ رَبُّكَ وَمَا قُلَى
وَللْآخِرَةُ خَيْرٌ لَكَ مِنَ الْأُولَى
وَلسَوْفَ يُعْطِيكَ رَبُّكَ فَتَرْضنى
أَلُمْ يَحِدْكَ يَتِيمًا فَآوَى
وَوَجَدَكَ ضَالًا فَهَدَى
فَأُمَّا الْيَتِيمَ فَلَا تَقْهَرْ
وَأُمَّا الْسَّائِلَ فَلَا تَنْهَرْ
وَأُمَّا الْسَّائِلَ فَلَا تَنْهَرْ

(iii) Sura 93

1. By the glorious morning light, 2. And by the night when it is still, 3. Your Lord has not forsaken you, nor is He displeased. 4. And truly the Hereafter will be better for you than the present. 5. And soon your Lord will give you so that you will be pleased. 6. Did He not find you an orphan and give you shelter? 7. And He found you wandering, and He gave you guidance. 8. And He found you in need, and made you independent. 9. Therefore, do not treat the orphan with harshness, 10. Nor drive the beggar away; 11. But tell about the bounty of your Lord!

| | | |
|------|------|--|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

| |
|------|
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |

| (| Give one example where using <i>ijma</i> or <i>qiyas</i> has been significant for Muslims today. |
|---|--|
| • | Sive one example where using <i>ijina</i> or <i>qiyas</i> has been significant for Musiinis today. |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| , | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

| |
|------|
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |

| | | |
|------|------|--|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

| b) | In what way did this event give hope to the Prophet (pbuh)? | |
|----|---|--|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

| | | |
|------|------|--|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

| | | |
|------|------|--|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

| (a) | Write about the events of the migration to Abyssinia by some of the early Muslims. | [10] |
|-----|--|------|
|) | What might be learned from the way the Muslims were treated in Abyssinia? | [4] |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

| |
|-------|
| |
| |
| |
| |
| ••••• |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| ••••• |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |

| |
|-------|
| |
| |
| |
| |
| ••••• |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| ••••• |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |

| 5 | (a) | Write about the lives of 'Umar and 'Uthman during the lifetime of the Prophet (pbuh). [10] | | | | |
|---|-----|---|--|--|--|--|
| | (b) | What lessons can be learned from 'Uthman's life before he became Caliph? | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |

| | | ••••• |
|------|------|---|
| | | |
| | | |
| | | ••••• |
| | | |
| | | • |
| | | |
| | | •••••• |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

| |
|------|
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |

BLANK PAGE

BLANK PAGE

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge Assessment International Education Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge Assessment International Education is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which itself is a department of the University of Cambridge.